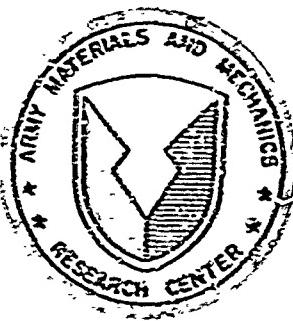


DAAG46
18046



AD [redacted]

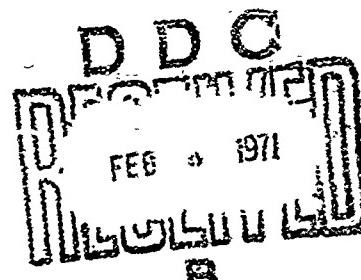
AMARC CR 76-20

DETERMINATION OF FLAS IN AN 81 MILLIMETER PROJECTILE BODY USING THE TRW ACOUSTO-OPTICAL IMAGING DEVICE

August 1970

Robert Aprahamian
Applied Mechanics Laboratory
TRW SYSTEMS GROUP
One Space Park
Redondo Beach, California

FINAL REPORT - CONTRACT DAAG46-70-C-0043



This document has been approved for public release and sale; its distribution is unlimited.

NATIONAL TECHNICAL
INFORMATION SERVICE

Prepared for

ARMY MATERIALS AND MECHANICS RESEARCH CENTER
Watertown, Massachusetts 02172

120

REF ID:	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60	61	62	63	64	65	66	67	68	69	70	71	72	73	74	75	76	77	78	79	80	81	82	83	84	85	86	87	88	89	90	91	92	93	94	95	96	97	98	99	100	101	102	103	104	105	106	107	108	109	110	111	112	113	114	115	116	117	118	119	120	121	122	123	124	125	126	127	128	129	130	131	132	133	134	135	136	137	138	139	140	141	142	143	144	145	146	147	148	149	150	151	152	153	154	155	156	157	158	159	160	161	162	163	164	165	166	167	168	169	170	171	172	173	174	175	176	177	178	179	180	181	182	183	184	185	186	187	188	189	190	191	192	193	194	195	196	197	198	199	200	201	202	203	204	205	206	207	208	209	210	211	212	213	214	215	216	217	218	219	220	221	222	223	224	225	226	227	228	229	230	231	232	233	234	235	236	237	238	239	240	241	242	243	244	245	246	247	248	249	250	251	252	253	254	255	256	257	258	259	260	261	262	263	264	265	266	267	268	269	270	271	272	273	274	275	276	277	278	279	280	281	282	283	284	285	286	287	288	289	290	291	292	293	294	295	296	297	298	299	300	301	302	303	304	305	306	307	308	309	310	311	312	313	314	315	316	317	318	319	320	321	322	323	324	325	326	327	328	329	330	331	332	333	334	335	336	337	338	339	340	341	342	343	344	345	346	347	348	349	350	351	352	353	354	355	356	357	358	359	360	361	362	363	364	365	366	367	368	369	370	371	372	373	374	375	376	377	378	379	380	381	382	383	384	385	386	387	388	389	390	391	392	393	394	395	396	397	398	399	400	401	402	403	404	405	406	407	408	409	410	411	412	413	414	415	416	417	418	419	420	421	422	423	424	425	426	427	428	429	430	431	432	433	434	435	436	437	438	439	440	441	442	443	444	445	446	447	448	449	450	451	452	453	454	455	456	457	458	459	460	461	462	463	464	465	466	467	468	469	470	471	472	473	474	475	476	477	478	479	480	481	482	483	484	485	486	487	488	489	490	491	492	493	494	495	496	497	498	499	500	501	502	503	504	505	506	507	508	509	510	511	512	513	514	515	516	517	518	519	520	521	522	523	524	525	526	527	528	529	530	531	532	533	534	535	536	537	538	539	540	541	542	543	544	545	546	547	548	549	550	551	552	553	554	555	556	557	558	559	560	561	562	563	564	565	566	567	568	569	570	571	572	573	574	575	576	577	578	579	580	581	582	583	584	585	586	587	588	589	590	591	592	593	594	595	596	597	598	599	600	601	602	603	604	605	606	607	608	609	610	611	612	613	614	615	616	617	618	619	620	621	622	623	624	625	626	627	628	629	630	631	632	633	634	635	636	637	638	639	640	641	642	643	644	645	646	647	648	649	650	651	652	653	654	655	656	657	658	659	660	661	662	663	664	665	666	667	668	669	670	671	672	673	674	675	676	677	678	679	680	681	682	683	684	685	686	687	688	689	690	691	692	693	694	695	696	697	698	699	700	701	702	703	704	705	706	707	708	709	710	711	712	713	714	715	716	717	718	719	720	721	722	723	724	725	726	727	728	729	730	731	732	733	734	735	736	737	738	739	740	741	742	743	744	745	746	747	748	749	750	751	752	753	754	755	756	757	758	759	760	761	762	763	764	765	766	767	768	769	770	771	772	773	774	775	776	777	778	779	780	781	782	783	784	785	786	787	788	789	790	791	792	793	794	795	796	797	798	799	800	801	802	803	804	805	806	807	808	809	810	811	812	813	814	815	816	817	818	819	820	821	822	823	824	825	826	827	828	829	830	831	832	833	834	835	836	837	838	839	840	841	842	843	844	845	846	847	848	849	850	851	852	853	854	855	856	857	858	859	860	861	862	863	864	865	866	867	868	869	870	871	872	873	874	875	876	877	878	879	880	881	882	883	884	885	886	887	888	889	890	891	892	893	894	895	896	897	898	899	900	901	902	903	904	905	906	907	908	909	910	911	912	913	914	915	916	917	918	919	920	921	922	923	924	925	926	927	928	929	930	931	932	933	934	935	936	937	938	939	940	941	942	943	944	945	946	947	948	949	950	951	952	953	954	955	956	957	958	959	960	961	962	963	964	965	966	967	968	969	970	971	972	973	974	975	976	977	978	979	980	981	982	983	984	985	986	987	988	989	990	991	992	993	994	995	996	997	998	999	1000
---------	---	---	---	---	---	---	---	---	---	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	------

The findings in this report are not to be construed as an official Department of the Army position, unless so designated by other authorized documents.

Mention of any trade names or manufacturers in this report shall not be construed as advertising nor as an official endorsement or approval of such products or companies by the United States Government.

DISPOSITION INSTRUCTIONS

Destroy this report when it is no longer needed.
Do not return it to the originator.

AMMRC CR 70-20

DETERMINATION OF FLAWS IN AN 81 MILLIMETER PROJECTILE BODY USING THE
TRW ACOUSTO-OPTICAL IMAGING DEVICE

Robert Abrahamian

Applied Mechanics Laboratory
TRW SYSTEMS GROUP
One Space Park
Redondo Beach

August 1970

Final Report - Contract DAAG46-70-C-0043

AMCMS Code PEMA 4931 OM 5042
Materials Testing Technology

This document has been approved for public release and sale; its distribution is unlimited.

Prepared for

ARMY MATERIALS AND MECHANICS RESEARCH CENTER
Watertown, Massachusetts 02172

ARMY MATERIALS AND MECHANICS RESEARCH CENTER

DETERMINATION OF FLAWS IN AN 81 MILLIMETER PROJECTILE BODY
USING THE TRW ACOUSTO-OPTICAL IMAGING DEVICE

ABSTRACT

This report contains the results of a six month study designed to establish the applicability of the TRW Acousto-Optical Imaging System in depicting internal defects and surface flaws existing in an 81mm projectile body. An 81mm projectile body was furnished to TRW Systems which contained three known flaws. The known flaws consisted of two surface flaws on the outer surface of the shell and one crack in the inner wall. Acousto-optical images of these three flaws were obtained in the frequency range from 8 to 20 megacycles.

FOREWORD

This is the final report covering the work performed by TRW Systems Group from 30 January to 30 July 1970 on contract DAAG46-70-C-0043. The study reported herein was supported by the Army Materials & Mechanics Research Center, Watertown, Massachusetts. Mr. R. H. Brockelman served as Technical Supervisor of this program.

This project has been accomplished as part of the U. S. Army Materials Testing Technology Program, which has as its objective the timely establishment of manufacturing processes, techniques or equipment to insure the efficient production of current or future defense programs.

CONTENTS

	Page
ABSTRACT	
FOREWORD	
INTRODUCTION.	1
THEORETICAL BASIS FOR ACOUSTO-OPTICAL IMAGING	
Background	1
Interaction of Light and Sound	2
Sears-Debye Condition.	3
Bragg Refraction	4
Acousto-Optical Image Formation.	4
FLAW DETECTION IN 81mm SHELLS	
Test Procedure	14
Test Results	14
First Surface Flaw	14
Second Surface Flaw.	14
Crack Detection.	18
CONCLUSIONS	20
REFERENCES.	22

INTRODUCTION

This program was initiated to determine the applicability of TRW's Acousto-Optical Imaging System in depicting flaws in projectile body casings. The Acousto-Optical Imaging Device has been successfully shown to provide an improved method of nondestructive testing having several advantages over competing techniques. The device uses ultrasonic probing waves to "look" into optically opaque objects. By exploiting the interaction between light and sound waves in a Bragg cell, an optical image of the flaw and/or defect is obtained on a real-time basis. The technique not only allows one to locate the defect but it also permits one to quantitatively assess the extent or size of the flaw. One of the principal features of the TRW acousto-optical nondestructive testing device is that it eliminates the need for a receiving transducer. The device may be operated at frequencies ranging from a few MHz to potentially hundreds of MHz. In the latter case a very high degree of resolution (~ 1 mil) can be obtained.

For ease in handling it was decided to initiate the program with an 81mm projectile containing defects rather than larger shells such as those of the 155mm class. The 81mm shell was supplied to TRW by the Army Materials and Mechanics Research Center. The shell contained three known flaws. Two flaws were on the outer surface of the shell and the third was a crack in the inner wall. The surface flaws are readily visible to the naked eye; the crack is not.

The three flaws existing in the 81mm shell were imaged using acoustic frequencies from 8 to 20 MHz. In each case, the known flaws were successfully imaged with sufficient resolution to specify their size and shape. Thus the device has been shown to be suitable for inspecting 81mm shells. Based on our experience with and understanding of the operation of the system, we can state with assurance that it can be used for the inspection of shells of larger caliber, for example, 155mm. We therefore suggest that a second phase of this program be initiated for the inspection of 155mm shells. Alternatively, a production type acousto-optical imaging system could be delivered to the Army Materials and Mechanics Research Center. The rest of this report provides a background of the acousto-optical imaging technique, a description of the shell which was used, the test procedure, test results and conclusions.

THEORETICAL BASIS FOR ACOUSTO-OPTICAL IMAGING

Background

The interaction of light and sound was postulated in 1922 by Brillouin.¹ He reasoned that since a train of acoustic waves represent cyclic regions of relative compression and relief a situation very similar to a common optical diffraction grating would exist. Perhaps due to the lack of proper instrumentation, experimental verification did not occur

until 1932 when Sears and Debye² succeeded in demonstrating the phenomenon. The immediate applications of Brillouin scattering, as the phenomenon has become known, lie in the area of determining the elastic properties of liquid materials. Many research papers (e.g., Ref. 3) were written relating critical parameters such as acoustic power density, the amplitude and wave length of light, and of more concern to us here, the angle at which the light wave interacts with the acoustic waves and the distance over which the light and sound waves interact. We will see that these two parameters have a pronounced effect on Acousto-Optical Imaging.

Interaction of Light and Sound

In order to fully describe the interaction of light with sound, one must understand the mechanical properties of sound. Simply stated, a train of sound waves is comprised of cyclic regions of relative compression and relief. Over the distance of one acoustic wavelength, Λ , the material supporting the acoustic wave experiences a change of pressure, P , density, ρ , and index of refraction, n , ranging from a maximum to a minimum and back again to a maximum as depicted in Figure 1 for a plane acoustic wave.

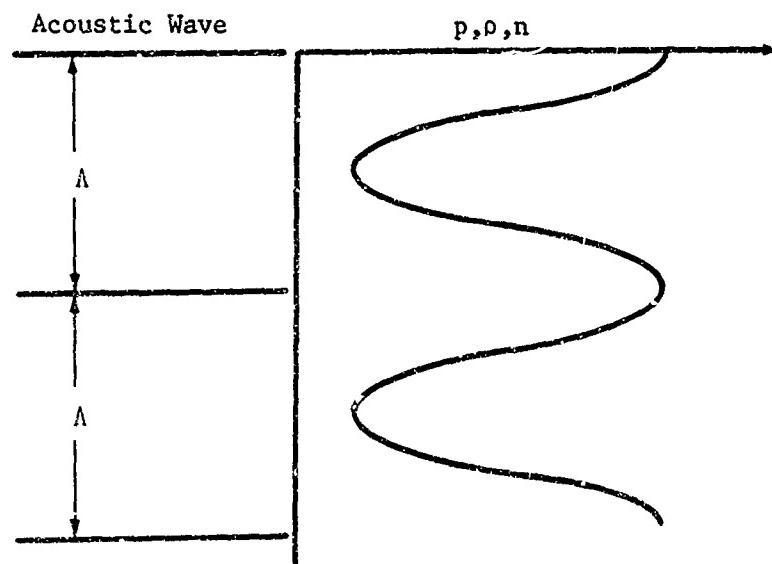


Figure 1. Pressure, density and index of refraction distribution as a function of position for a plane acoustic wave train of wave length Λ .

Sears-Debye Condition

Consider now a set of plane monochromatic light waves impinging an acoustic column of width, d . Since the velocity of light, c , depends on the index of refraction of the medium in which it is propagating according to

$$c = \frac{c_0}{n} \quad (1)$$

where c_0 is the speed of light in vacuo, and n the index of refraction, the light will experience a time delay and a phase shift as it propagates through the acoustic wave column. As a consequence of the refraction being a function of position in the acoustic wave train and the fact that the acoustic wave is moving, each point in the material experiences a cyclic time variation of its index of refraction. As a result, the incident light becomes modulated in phase and also in frequency. It can be shown that if the acoustic column is sufficiently narrow, a carrier wave having the frequency of the incident light and a set of sidebands will emerge from the acoustic column as depicted in Figure 2.

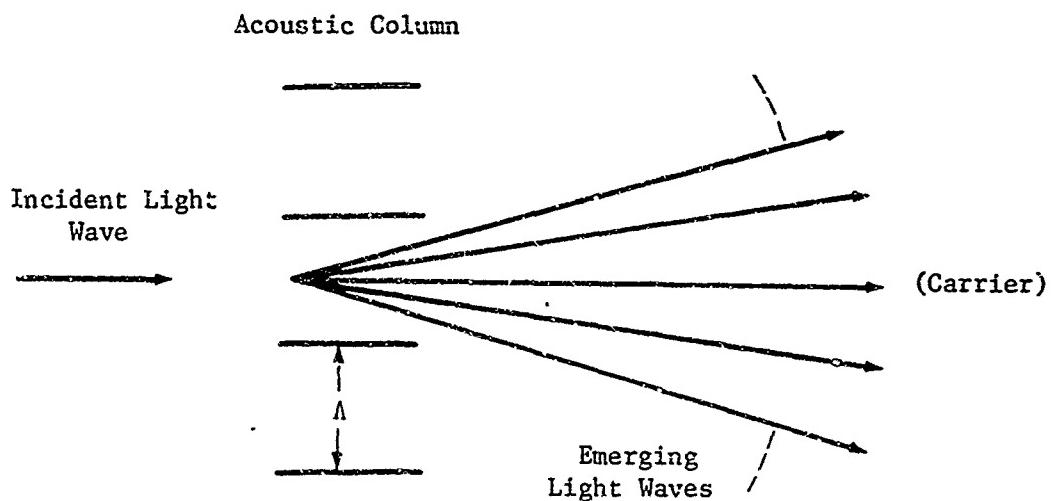


Figure 2. The creation of sidebands caused by frequency modulation on incident plane light wave by a plane acoustic wave train.

The phrase "sufficiently narrow" was used above to describe the width of the acoustic column. The reason for this lies in the fact that the incident light breaks up into its sidebands immediately upon entering the acoustic column and begins to diverge angularly from the carrier. It may then travel through parts of the wave front having different indices of refraction. As a result, destructive interference may occur and the intensity of these bands will be greatly reduced. It is possible to use the interference phenomenon to our advantage by simply impinging the acoustic column with light waves at an angle chosen so that constructive interference will occur.

Bragg Refraction

To describe constructive interference we need to consider Bragg refraction. Bragg's law expresses the condition under which a crystal or any diffraction grating will reflect an incident wave with maximum intensity. Mathematically, the condition is expressed as

$$\sin \theta_B = \frac{m\lambda}{D} \quad (2)$$

where

θ_B = Bragg angle

m = integer

D = grating spacing

λ = wavelength of incident wave

Physically, this condition insures that parts of the wavefront which reflect from different strata of the grating are in phase when they recombine. Figure 3 shows schematically the Bragg reflection process when D is the grating spacing.

As seen in the Figure, the path length difference of the wave which reflects from the top stratum, and the second stratum is $m\lambda$. This insures constructive interference when these waves recombine. Bragg reflection, as described here, is the basis for acousto-optical imaging.

Acousto-Optical Image Formation

Consider a point source of sound, S , from which single frequency acoustic waves are emanating and also a point source of light, O , from which monochromatic light waves are emanating. In the region where the spherical wave fronts of light and sound satisfy the Bragg equation,

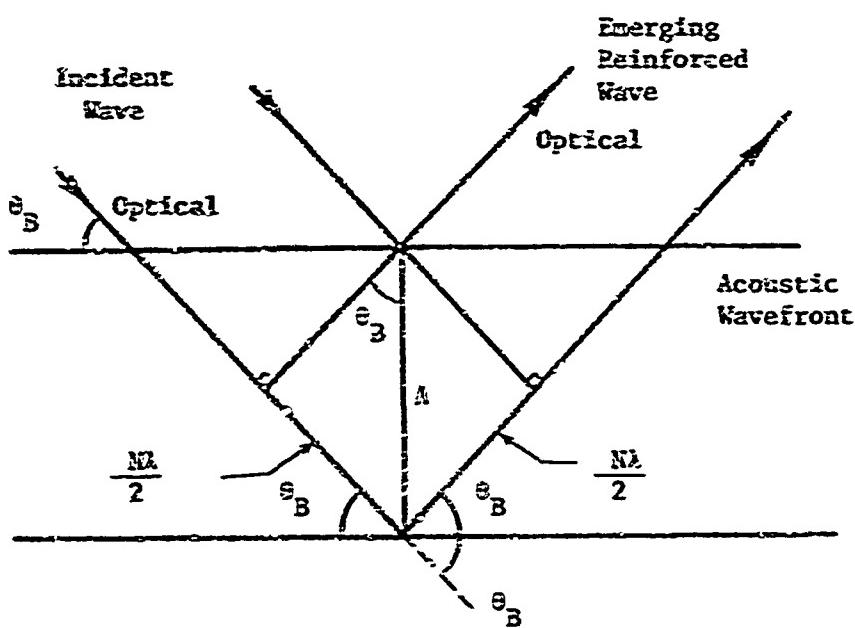


Figure 3. Bragg condition for constructive interference

$\sin \theta_B = 1/(2A)$, maximum reinforcement will occur. If one then traces back these diffracted rays, one finds that they intersect at a single point. Mathematically, this condition is identical to there being a new spherical wave emanating from a point O' . This point at O' is then considered to be the virtual image of the sound source, S . Figure 4 depicts this situation for $N = 1$. Three propagation vectors (\leftrightarrow) are shown leaving the light source, O , which interact with three propagation vectors ($\leftarrow\rightleftharpoons$) which emanate from the sound source, S , at the Bragg angle θ_B . At these points, diffracted light rays (\dashrightarrow) are created which when traced back ($--$) intersect at a common point, O' .

Of course if there were more than one sound source, say S^1, S^2, S^3, \dots , then multiple images, O'_1, O'_2, O'_3, \dots will be created. Reference 4 shows that a magnification, M , given by

$$M = \frac{\lambda}{A} \quad (3)$$

will result. For example, if sound sources S^1 and S^2 were separated by a distance $S^1 S^2$, then their images will be separated by a distance

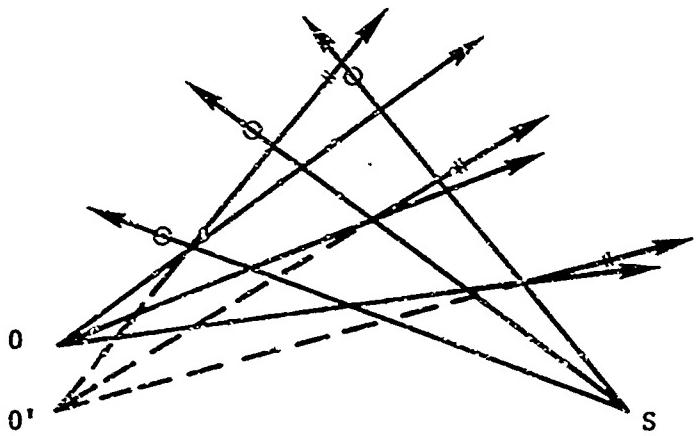


Figure 4. Acousto-Optical Imaging of a sound source, S, by a light source O, to produce a virtual image O'.

$(\lambda/\Lambda)S^1S^2$. This concept may be generalized to a body merely by considering the body to be made up of many "point" sources, each giving rise to an image. The sum of these images will represent an image of the entire object.

Figure 5 shows a schematic of the apparatus used to form acousto-optical images. The acoustic energy is supplied by an acoustic transducer inserted into a Bragg Cell. The frequency and power output of the transducer is controlled by a variable frequency AC oscillator/amplifier. To provide good acoustic coupling and to minimize acoustic attenuation, the Bragg Cell is filled with a liquid such as water. The optical energy is supplied by a continuous wave laser, such as a Helium-Neon gas laser. The narrow beam of light leaving the laser is expanded by a lens. The spatially diverging light is then collected by a collimating lens and transverses the Bragg Cell, coming to a focus on the other side. A set of lenses near the focal point expands the light projecting it onto a viewing screen. With the transducer turned on, Bragg refraction of the laser light occurs (Fig. 6). The Bragg refracted light spatially diverges from the non-Bragg refracted light. Because of the spatial divergence, the Bragg refracted light becomes projected onto a different portion of the viewing screen than does the non-Bragg refracted light. The image of the Bragg refracted light is of interest in acousto-optical imaging since it contains information regarding the acoustic energy. For convenience, a mask is placed on the optical axis allowing only the Bragg refracted light through. If no object is placed between the acoustic transducer and the light, then the image seen on the viewing screen is that of the transducer alone. Figure 7(a) shows an acousto-optical image of a 1" x 1" transducer oscillating at 8 megacycles. If an object were inserted between the

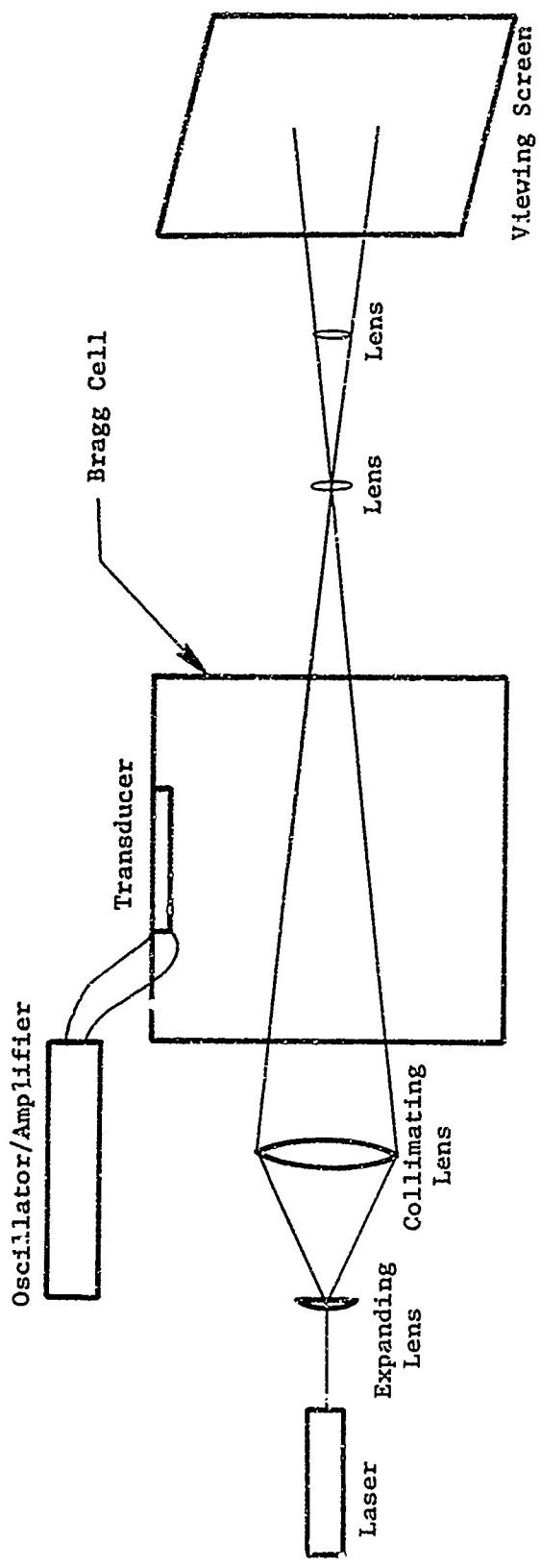


Figure 5 Schematic showing the spatial relationship between the equipment used to obtain acousto-optical images.

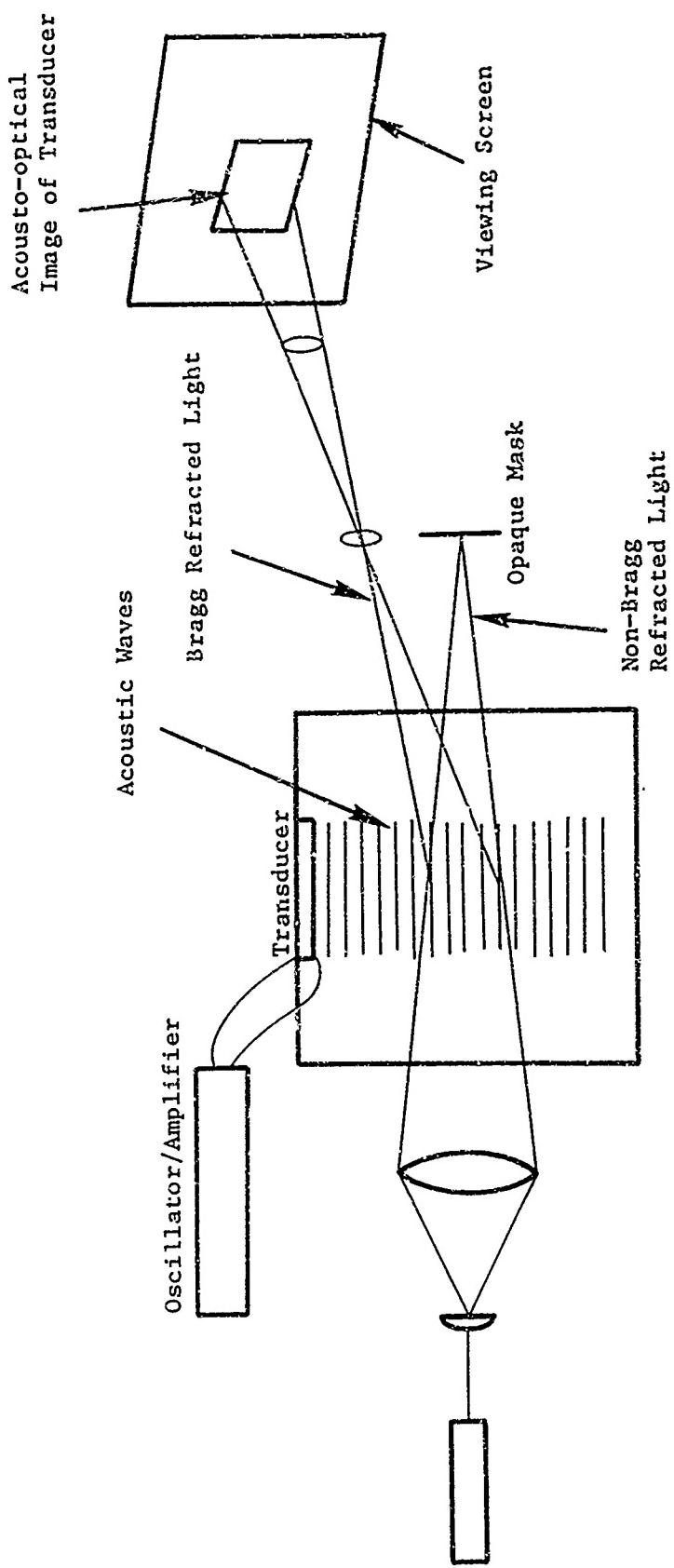


Figure 6 Schematic showing Bragg Refraction of light by acoustic waves.

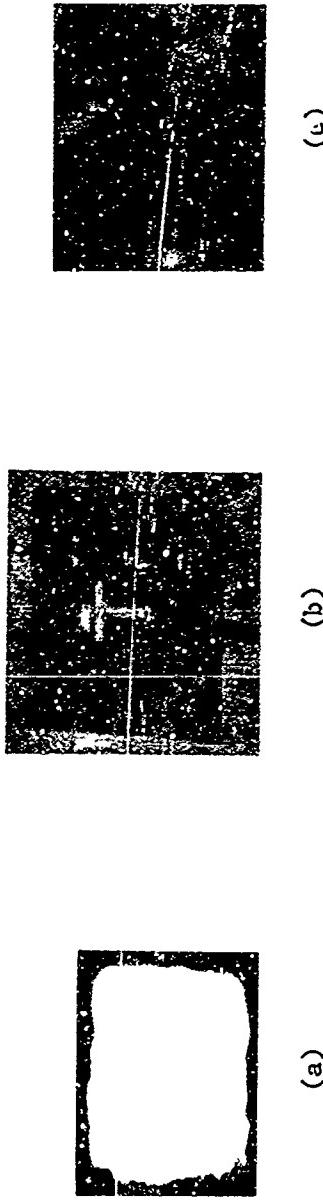


Figure 7. Demonstration of the Acousto-optical Imaging Technique

- (a) Acousto-optical image of the transducer background
- (b) Stencil cutout of the letter "T" which is inserted between the transducer and light cone
- (c) Acousto-optical image of the letter "T"

transducer and light cone, the image on the viewing screen will represent the image of the object superimposed on the transducer background. This is demonstrated by inserting a stencil cutout of the letter "T", Figure 7(b) between the transducer and light cone. The cutaway portion of the stencil plate allowed acoustic energy to pass and interact with the light to form the image 7(c). The solid portion of the stencil blocked the sound waves, in turn blackening the transducer background in those regions.

FLAW DETECTION IN 81mm SHELLS

An 81mm shell containing three known flaws was supplied to TRW Systems by the Army Materials & Mechanics Research Center for use in this study. The shell contained two surface flaws (outer surface) and a crack (inner surface). The surface flaws are readily visible by naked eye while the crack is not. The Bragg Cell which was used in this study was not large enough to accommodate the 81mm shell as a single piece. Rather than building a new Bragg Cell, it was decided to section the 81mm into three parts. The sectioned shell (reassembled) is shown in Figure 8. Figure 9 shows the flawed sections individually. Sectioning the shell in this way does not affect the performance of the acousto-optical imaging device. Figure 9(a) shows the segment of the shell containing the crack. The crack is identified schematically by the dotted line. The two surface flaws exist on the outer surface of the shell segment shown in Figures 9(b) and 9(c). The maximum depth of these surface flaws were measured at AMMRC as .005 and .010 inches, respectively.

A special fixture was designed and built to handle the shell in the Bragg Cell of the Acousto-Optical Imaging device. The fixture has the capability of translating and rotating the shell in the Bragg Cell. Figures 10(a) and (b) show one segment of the shell held by the fixture outside and inside of the Bragg Cell, respectively. The capability to both rotate and translate the shell is necessary so that the entire shell case can be conveniently inspected.

Before imaging for flaws, it was necessary to select the proper transducer for this application. Based on previous experience at TRW, flat X-cut quartz crystals were selected. These crystals gave satisfactory performance; therefore no use was made of other shapes, such as cylindrical, which are more expensive, and whose operation is not so well understood. However, to cover a larger frequency range it was necessary to utilize two plane crystals, each having a different fundamental frequency, and operate in their higher harmonics. Crystals having fundamental frequencies of 4 and 8 MHz were selected. The 4 MHz crystal can be operated in higher harmonics to provide acoustic energy at 8, 12, 16, and 20 MHz, while the 8 MHz crystal can operate in its fundamental mode and higher harmonics at 8, 16, and 24 MHz. The two crystals, therefore, provide good coverage of the frequency range from 4 to 24 MHz. These crystals were mounted in an air-backed plexiglas holder. An adhesive (General Electric RTV) was used to firmly affix the crystal in the mounting fixture.

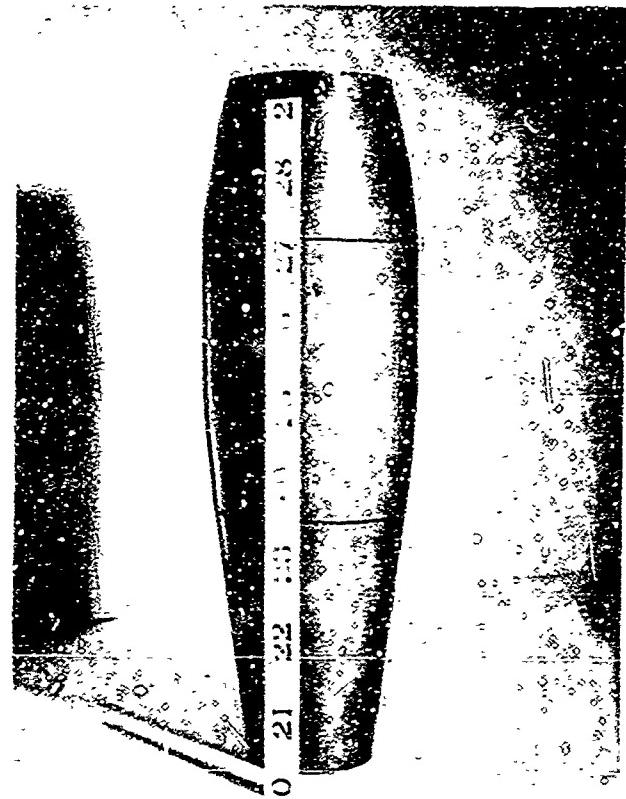
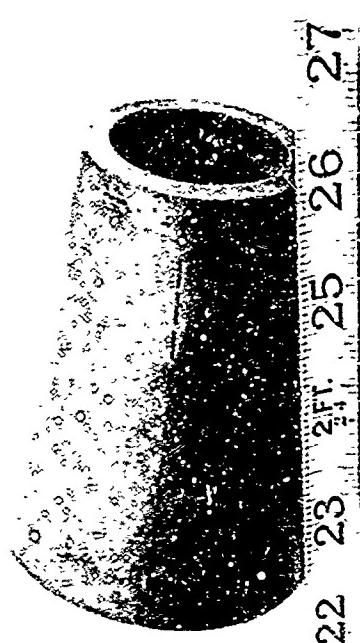
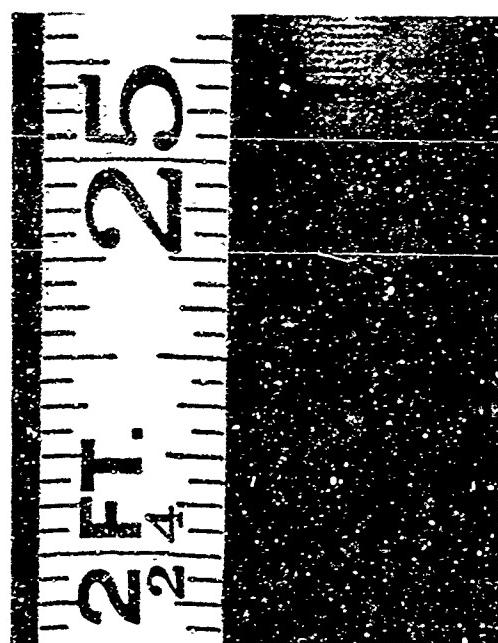


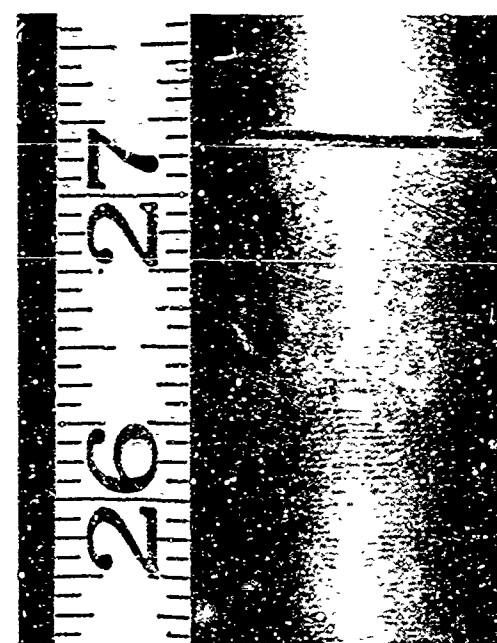
Figure 8 81 mm Shell Known to Contain Two Surface Flaws (Outer Surface) and a Crack (Inner Surface)



(a)

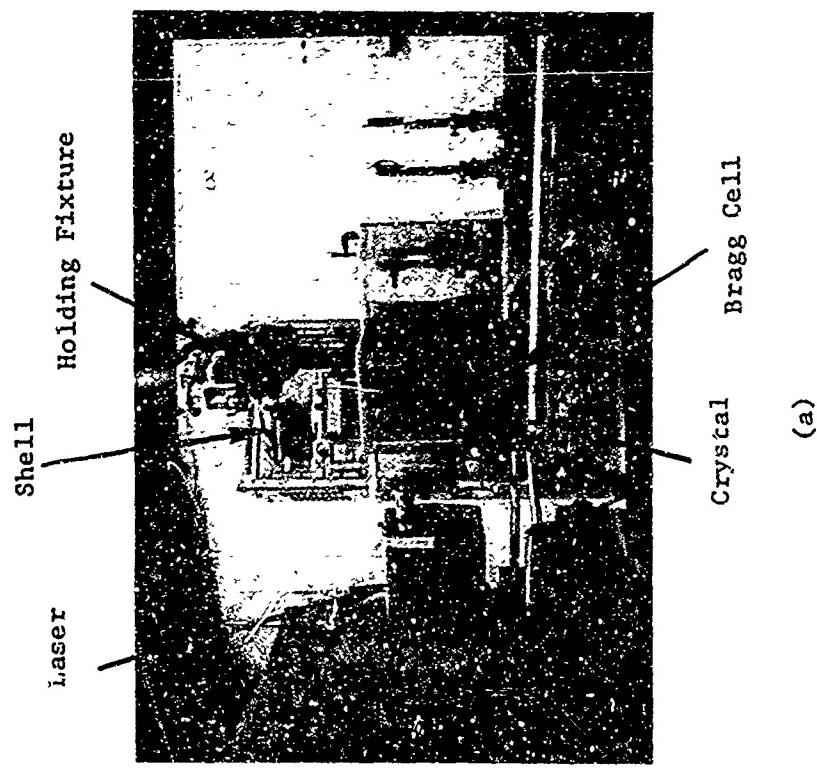


(b)

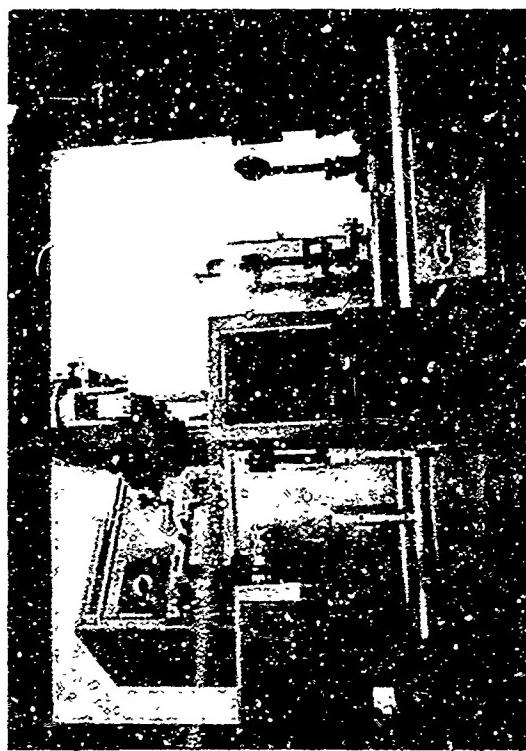


(c)

Figure 9 Sections of the 81 mm Shell Containing the Crack (a) and Two Surface Defects (b) and (c)



(a)



(b)

Figure 10 Relationship between the optical axis, acoustic crystal and shell segment.

- (a) Shell segment held out of the Bragg Cell.
- (b) Shell segment held inside the Bragg Cell.

Test Procedure

The test procedure consisted of inserting the shell segments into the Bragg Cell and visually adjusting its position such that the known flaw was between the transducer and light cone as shown in Figure 11. The light propagates through the center bore of the shell. Sound waves emitted from the transducer propagate through the shell (and flaw) and interact with the light resulting in Bragg refraction. The image of the flaw is then projected onto the viewing screen and recorded by a camera. Beginning with the 4 MHz fundamental crystal operating in its third harmonic, images were obtained of one surface flaw (Figure 9b) at 12 MHz. After the acousto-optical image was recorded by the camera, the oscillator/amplifier was tuned to drive the crystal at 20 MHz (fifth harmonic). The image obtained at that frequency was then recorded by the camera.

The 8 megacycle crystal was then substituted for the 4 MHz crystal. An image of the same flaw was then obtained at 8 and 15 MHz. The inspected segment of the shell was then rotated and the second surface flaw imaged in the same manner. Finally, the segment containing the crack was inserted and acousto-optical images made at 8, 12, 16 and 20 MHz.

Test Results

First Surface Flaw

Figures 12(a), (b) and (c) show the acousto-optical images obtained of the surface flaw shown in Figure 9b at 8, 12 and 16 MHz respectively. The shell segment was inserted into the Bragg Cell by the specially designed fixture and assumed the position shown schematically in Figure 11.

Figure 12(a) was obtained using a 1" x 1-1/2" X-cut crystal operating in its fundamental mode, 8 MHz. The white background represents the crystal background. The flaw is shown as a darkened region in the field of the transducer. Figure 12(b) was obtained using a 1" x 1" X-cut quartz crystal (4 MHz fundamental) operating in its third harmonic (12 MHz). The dark central area represents the surface flaw. Careful examination of Figure 12(b) reveals the presence of faint horizontal lines which were not present in Figure 12(a). They are assumed to be caused by the rough turned machine finish (250 microinch surface roughness). At this higher frequency (12 MHz vs. 8 MHz) the acoustic wavelengths are shorter, resulting in better resolution and making the rough turned machined finish susceptible to imaging. Figure 12(c) was obtained using a 1" x 1-1/2" X-cut quartz crystal (8 MHz fundamental) operating in its second harmonic, 16 MHz. As with the previous two images, the dark area in the field of the transducer background represents the surface flaw. At this higher frequency the rough turned machined finish became more evident.

Second Surface Flaw

Figures 13(a), (b) (c) and (d) show acousto-optical images obtained of the surface flaw shown in Figure 9(c) at 8, 12, 16 and 20 MHz,

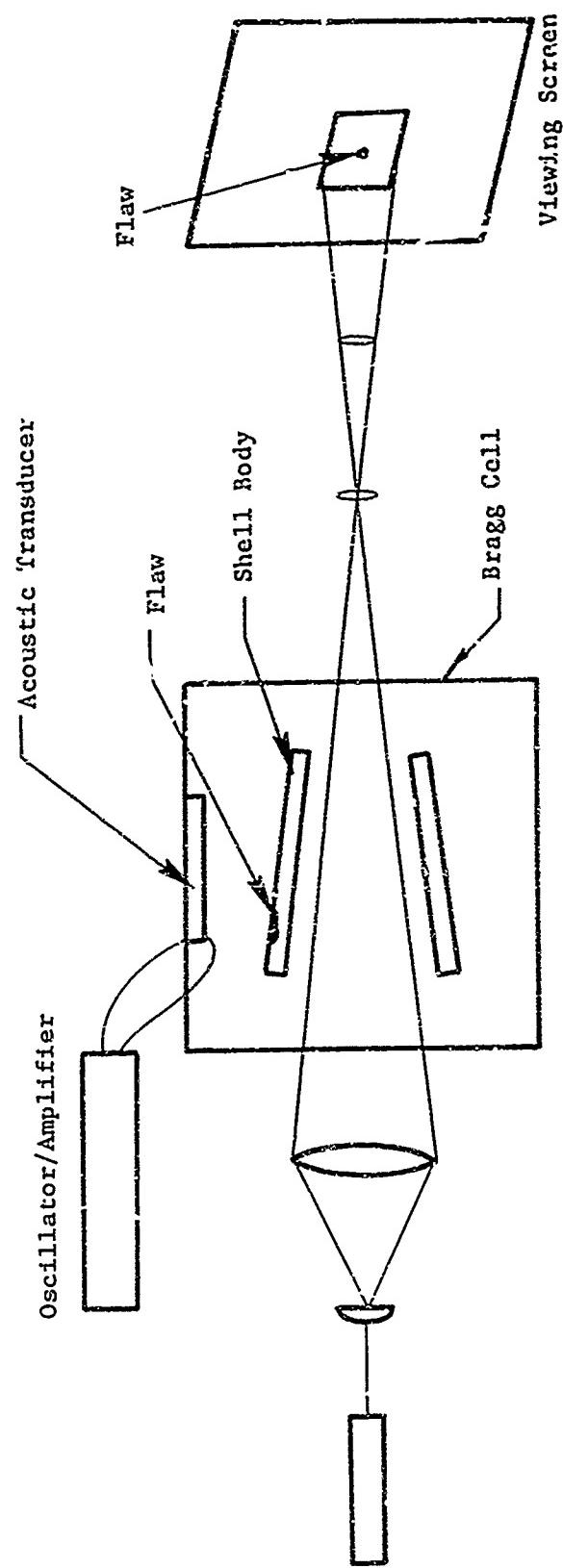
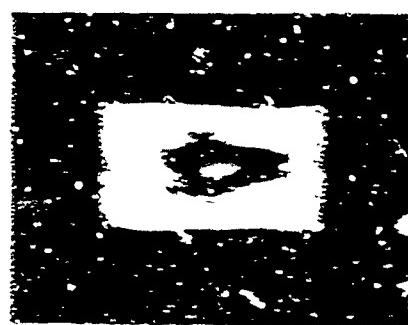
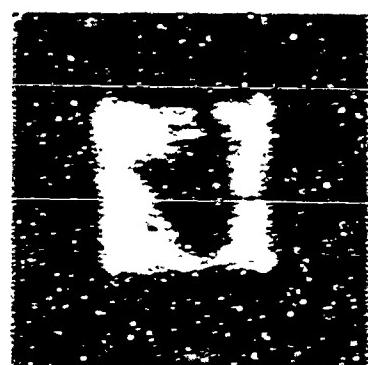


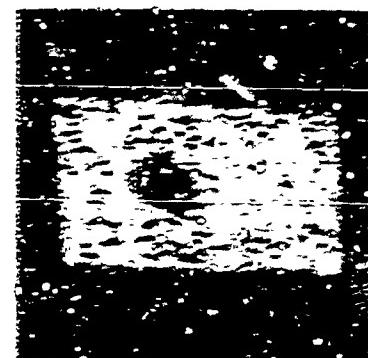
Figure 11 Schematic showing the orientation of the shell casing with respect to the acoustic transducer and laser light.



(a)



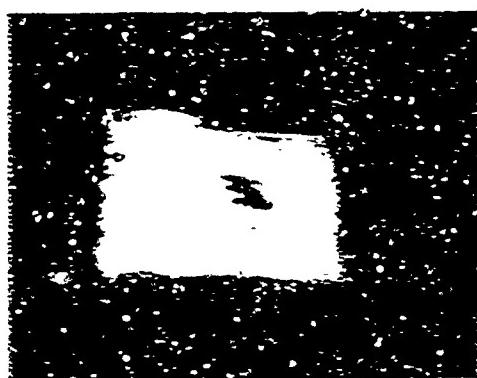
(b)



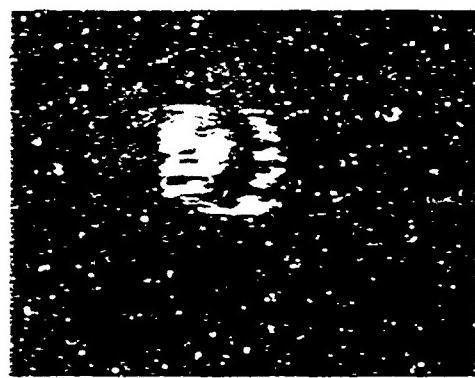
(c)

Figure 12 Acousto-Optical Images of the Surface
Flame Shown in Figure 9(b) Taken at

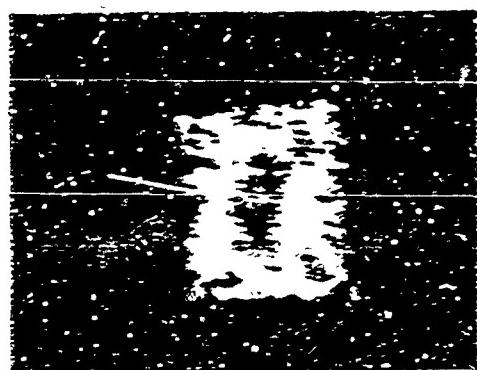
- a) 8 MHz
- b) 12 MHz
- c) 16 MHz



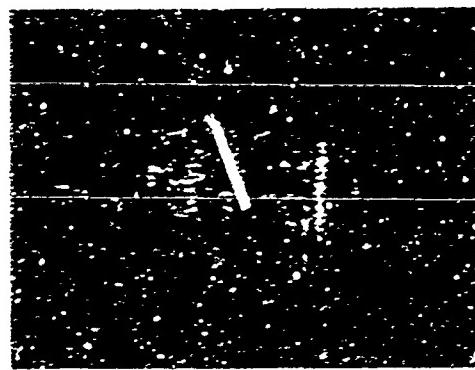
(a)



(b)



(c)



(d)

Figure 13. Acousto-optical Images of the Surface Flow Shown in Figure 9(c) Taken at

- (a) 8 MHz
- (b) 12 MHz
- (c) 16 MHz
- (d) 20 MHz

respectively. The section of the shell which contained the flaw was oriented in the Bragg Cell as shown in Figure 11.

Table I summarizes the crystal size and frequency used to obtain the acousto-optical images. Interpretation is identical to that already discussed above.

TABLE I

Figure	Crystal Size	Frequency (MHz)
13(a)	1" x 1-1/2"	8
13(b)	1" x 1"	12
13(c)	1" x 1"	16
13(d)	1" x 1-1/2"	20

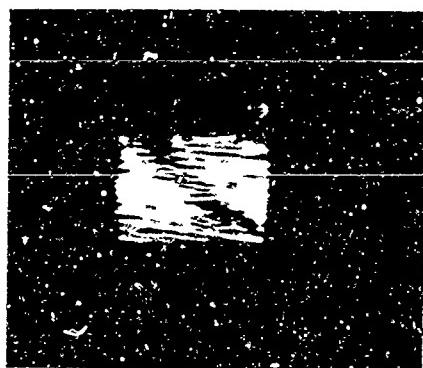
Crack Detection

Figures 14(a), (b) and (c) show acousto-optical images of the known crack in the segmented section shown in Figure 9(a). The crack is known to be oriented along the longitudinal axis of the shell. The segment of the shell was placed into the Bragg Cell as shown schematically in Figure 11 with the crack running parallel with the light. Figure 14(a) was obtained using a 1" x 1-1/2" X-cut quartz crystal oscillating in its fundamental mode, 8 MHz. As with the surface flaws, the crack is shown as a darker area in the white background field of the transducer.

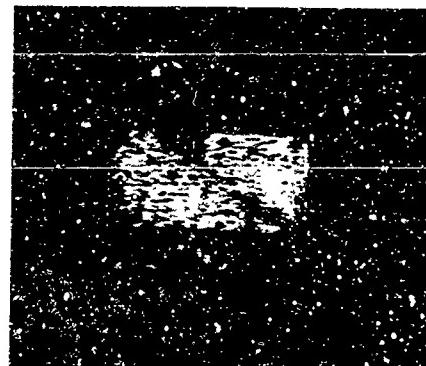
Figure 14(b) represents the acousto-optical image of the crack using a 1" x 1-1/2" crystal operating at 16 MHz. The specimen was deliberately rotated in the Bragg Cell so that the crack did not run along the optical axis but rather at an angle to it. The position of the transducer remained the same. This was done deliberately to determine the sensitivity of the alignment of the shell with respect to the transducer and optics. As one can see from Figure 14(b) the crack is still detectable. The internal machining marks are also pronounced at this frequency as they were in the case of the surface flaw studies. Figure 14(c) shows the acousto-optical image obtained of the crack using a 1" x 1-1/2" X-cut quartz crystal operating at 20 MHz. As in the case of the surface flaw studies, the rough turned machined finish became very pronounced at high frequencies. After the acousto-optical images of the crack were made, the 81mm projectile body was sectioned and examined microscopically for determination of both length and depth of the crack in the wall by AMMRC personnel. It was found to have a length of 1-1/4" and a maximum depth of 1/10" or half the wall thickness.



(a)



(b)



(c)

Figure 14 Acousto-Optical Images of the Crack in Shell Specimen Shown in Figure 9(a) Taken at

- a) 8 MHz
- b) 16 MHz
- c) 20 MHz

In some instances, e.g., when the shell is plugged at one end, one cannot send light through the bore. To show that comparable images may be obtained in these cases a second test procedure was used to obtain an acousto-optical image of the crack. This procedure consisted of inserting the acoustic transducer inside the bore of the projectile body rather than externally as described previously. The experimental setup is shown in Figure 15. One image of the crack was obtained in this manner. The frequency of the acoustic waves was 8 megacycles. The acousto-optical image of the flaw is shown in Figure 16. Comparing Figure 16 with Figure 14(a) shows that the resulting image obtained by this procedure is comparable with having the transducer external to the bore.

Referring to Figure 16, it can be seen that extraneous black lines appear across the face of the transducers. It is felt that these are due to the nonuniformity of the acoustic beam near its periphery. These lines can be distinguished from the flaw by rotating the shell. In so doing, the image of the flaw moves while these extraneous lines do not.

CONCLUSIONS

The images presented above demonstrate the ability of acousto-optical imaging to depict both surface flaws and cracks in 81mm projectile body casings. At each frequency the acousto-optical images share certain common features. When operating at 8 MHz, the transducer background appears homogeneously white. As the frequency is increased the rough turned machined finish on the projectile become apparent. Judging by these results it appears that 8 MHz is perhaps an optimum choice to avoid distortion and loss of resolution due to the rough turned machined finish.

Surface curvature does not pose a severe problem for this application. It has been expected that the shell, being curved, would effectively form an acoustic lens distorting the optical image. However, this does not appear to be a serious problem, altho gh in some instances some distortion (e.g., Figures 12(b) and 13(c)) is present. The acoustic distortion described above is due to the cylindrical shape of the 81mm projectile body. The effect of cylindrical curvature of the wall on the acoustic waves is similar to the effect of a cylindrical lens to light waves. That is, a distortion only in 1-dimension takes place.

It was also determined that a flat X-cut crystal transducer permits good acousto-optical images of the 81mm shell. This being the case, it is not necessary to go to other shapes. (A cylindrical transducer was considered.) We believe that the foregoing results demonstrate that the acousto-optical imaging device offers Quality Assurance personnel a useful technique for nondestructive testing of projectile body casings.

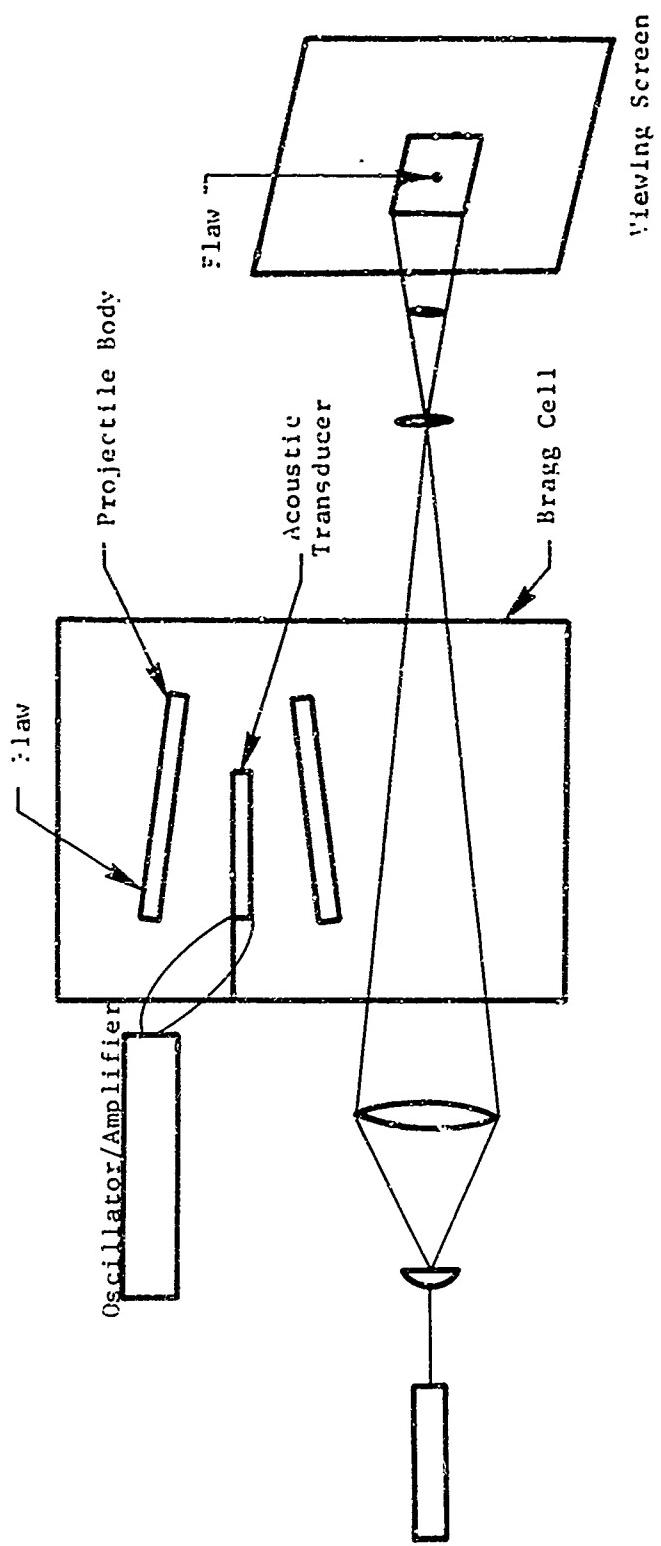


Figure 15 Schematic showing the orientation of the projectile body with respect to the acoustic transducer and laser light when it is not possible to send sound through the bore of the shell.



Figure 16 Acousto-optical image of the crack in the 81mm projectile body. The crystal was placed in the bore of the shell

REFERENCES

1. Brillouin, L., Ann. Phys., (France) Vol. 17, pg. 88 (1922).
2. Debye, P. and Sears, F. W., Proc. Nat. Acad. Sci., (USA), Vol. 18, pg. 409 (1932).
3. Willard, G. W., J. Acoust. Soc. Am., Vol. 21, pg. 101 (1949).
4. Aprahamian, R. and Bhuta, P. G., "TRW Acousto-Optical Imaging Tunnel Detection System," TRW Report 99900-6677-R0-00, July 1968.

ARMY MATERIALS AND MECHANICS RESEARCH CENTER
WATERTOWN, MASSACHUSETTS 02172

TECHNICAL REPORT DISTRIBUTION

No. of Copies	To
20	Commander, Defense Documentation Center, Cameron Station Alexandria, Virginia 22314
30	Director, Army Materials & Mechanics Research Center, Watertown, MA. 02172 ATTN: AMXMR-MQ, Mr. N. Fahey
50	TOTAL COPIES DISTRIBUTED

Unclassified

Security Classification

DOCUMENT CONTROL DATA - R & D

Security classification of title, body of abstract and indexing annotation must be entered when the overall report is classified

1. ORIGINATING ACTIVITY (Corporate author) TRW INC. TRW Systems Group One Space Park Redondo Beach, California		2a. REPORT SECURITY CLASSIFICATION Unclassified 2b. GROUP
3. REPORT TITLE DETERMINATION OF FLAWS IN AN 81 MILLIMETER PROJECTILE BODY USING THE TRW ACOUSTO-OPTICAL IMAGING DEVICE		
4. DESCRIPTIVE NOTES (Type of report and inclusive dates) Final Report - 30 January 1970 - 30 July 1970		
5. AUTHOR(S) (First name, middle initial, last name) Robert Aprahamian		
6. REPORT DATE 14 August 1970	7a. TOTAL NO. OF PAGES 26	7b. NO. OF REFS 4
8a. CONTRACT OR GRANT NO. DAAG46-70-C-0043	9a. ORIGINATOR'S REPORT NUMBER(S) AMMRC CR 70-20	
b. PROJECT NO PEMA 15042		
c. AMCMCS Code 4931.0M.5042	9b. OTHER REPORT NO(S) (Any other numbers that may be assigned this report)	
d.		
10. DISTRIBUTION STATEMENT This document has been approved for public release and sale; its distribution is unlimited.		
11. SUPPLEMENTARY NOTES	12. SPONSORING MILITARY ACTIVITY Army Materials and Mechanics Research Center, Watertown, Massachusetts 02172	
13. ABSTRACT This report contains the results of a six month study designed to establish the applicability of the TRW Acousto-Optical Imaging System in depicting internal defects and surface flaws existing in an 81mm projectile body. An 81mm projectile body was furnished to TRW Systems which contained three known flaws. The known flaws consisted of two surface flaws on the outer surface of the shell and one crack in the inner wall. Acousto-optical images of these three flaws were obtained in the frequency range from 8 to 20 megacycles.		

DD FORM 1473 1 NOV 68
REPLACES DD FORM 1473, 1 JAN 64, WHICH IS
OBsolete FOR ARMY USE.

Unclassified

Security Classification

Unclassified

Security Classification

14 KEY WORDS	LINK A		LINK B		LINK C	
	ROLE	WT	ROLE	WT	ROLE	WT
Nondestructive Testing						
Ultrasonic Tests						
Acoustics						
Images						
Cylindrical Shells						
Projectiles						

Unclassified

Security Classification